लामडिंग दर्पण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, लामडिंग मंडल

वर्ष 7 अंक 26 अप्रैल - जून 2016

पूर्वोत्तर की जनता को सौगात - लामडिंग मंडल में नई गाड़ियों का शुभारंभ

27 मई 2016 को शिलांग में आयोजित एक समारोह में माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने क्रमशः कामाख्या से कटरा, भैरवी से सिलचर और जिरीबाम से सिलचर के लिए तीन नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। माननीय रेल मंत्री, श्री सुरेश प्रभु तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों सहित महाप्रबंधक पूर्वोत्तर सीमा रेल ने भी समारोह में भाग लिया। जिरिबाम, भैरवी और कामाख्या रेल स्टेशनों में भी इसी प्रकार के समारोह का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय सांसद व विधायकों को आमंत्रित किया गया।

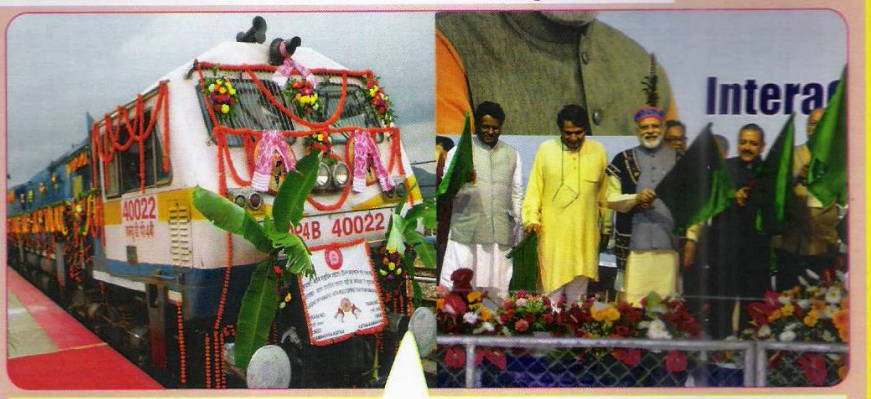

27 मई 2016 को शिलांग में आयोजित समारोह में माननीय प्रधानमंत्री, माननीय रेल मंत्री, पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों सहित महाप्रबंधक पूर्वोत्तर सीमा रेल।

बदलता परिदृश्य - तकनीकी विकास

गुवाहाटी स्टेशन पर यात्री सुख-साधन में विस्तार

28 मई, 2016 को माननीय रेल मंत्री, श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने डिब्रूगढ़ से रिमोट से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर मुफ्त वाई-फाई और आरओ पानी की आपूर्ति की सुविधा का शुभारंभ किया। इस प्रकार गुवाहाटी स्टेशन पूर्वोत्तर सीमा रेल का पहला स्टेशन बन गया जहाँ पर मुफ्त वाई-फाई सुविधा उपलब्ध हो गया है। इस अवसर पर गुवाहाटी रेल स्टेशन पर एक समारोह आयोजित किया गया जिसमें स्थानीय सांसद व विधायकों ने भाग लिया ।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन में मुफ्त वाई-फाई सुविधा के शुभारंभ समारोह में उपस्थित माननीय सांसद, स्थानीय विधायक, अपर महाप्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग तथा मुख्यालय एवं मंडल के रेलवे अधिकारीगण।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन में आर.ओ. पानी की सुविधा के शुभारंभ समारोह में उपस्थित माननीय सांसद, स्थानीय विधायक, अपर महाप्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग तथा मुख्यालय एवं मंडल के रेलवे अधिकारीगण।

फोटो दीर्घा

रेल सप्ताह 2016

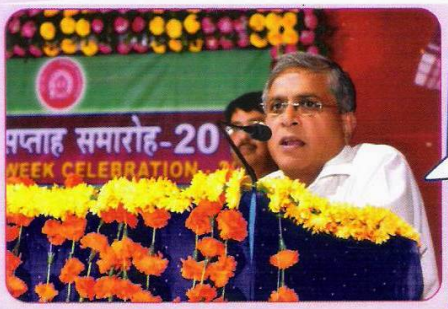

रेल सप्ताह समारोह 2016 के अवसर पर मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पूर्व मंडल रेल प्रबंधक, श्री नीरज कुमार।

रेल सप्ताह समारोह 2016 के अवसर पर मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजय नैय्यर।

वाणिज्य विभाग के कर्मचारी को पुरस्कार प्रदान करते हुए पूर्व मंडल रेल प्रबंधक, श्री नीरज कुमार।

21 अप्रैल 2016 को रेलवे इंस्टीट्यूट, लामडिंग में आयोजित रेल सप्ताह समारोह में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

रेल सप्ताह समारोह 2016 में चिकित्सा विभाग के कर्मचारी को पुरस्कार प्रदान करते हुए पूर्व मंडल रेल प्रबंधक, श्री नीरज कुमार।

दो साल बेमिसाल

दो साल बेमिसाल के अधीन आयोजित रोड-शो में स्लाइड- शो के माध्यम से दो वर्षों की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजय नैय्यर।

दो साल बेमिसाल के अधीन संचार दिवस पर मिडिया तथा अधिकारियों को संबोधित करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजय नैय्यर।

दो साल बेमिसाल के अधीन आयोजित रोड शो के अवसर पर मिडिया, गणमान्य अतिथियों, जनता तथा अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह

अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रम की झलकियाँ

जागरूकता मार्च

नुक्कड़ नाटक

जागरूकता उद्घोषणा

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा संबोधन

पेंपलेट बांटना

विविध

दिनांक 5.04.2016 को आयोजित बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 125 वीं जयंती के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजय नैय्यर।

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर योग अभ्यास का शुभारंभ करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

संरक्षा संगठन, लामडिंग तथा एनडीआरएफ पूर्वी कमांड द्वारा 24 जून 2016 को आयोजित संयुक्त मोक ड्रील कार्यक्रम का एक दृश्य।

रेल सप्ताह समारोह 2016 के अवसर पर रेलवे इंस्टीट्यूट, लामडिंग में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण तथा संगठित युनियनों के प्रतिनिधि।

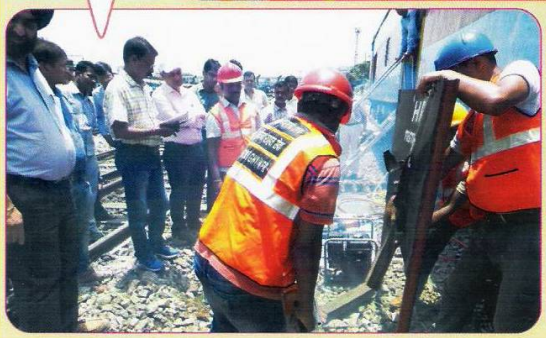

23 जून 2016 को लामडिंग मंडल मुख्यालय में आयोजित हिंदी पत्र-लेखन प्रतियोगिता में शामिल कर्मचारीगण।

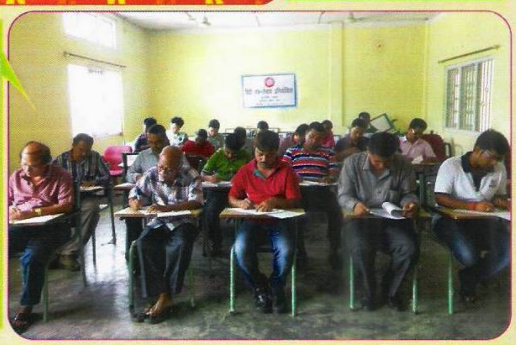

मंडल का अर्जन

यात्री अर्जनः अप्रैल-जून 2016 के दौरान यात्रियों की संख्या 5923797 हुई। फलस्वरूप गत वर्ष के समान अवधि की ₹ 130.72 करोड़ की तुलना में यात्री अर्जन से ₹ 139.88 करोड़ का अर्जन हुआ। इस प्रकार यात्री अर्जन में कुल ₹ 9.16 करोड़ की वृद्धि हुई।

माल अर्जन : मंडल में कोयला, खनिज तेल आदि आय के प्रमुख स्रोत हैं। अप्रैल-जून 2016 के दौरान माल अर्जन से कुल ₹ 39.43 करोड़ की प्राप्ति हुई।

अन्य कोचिंग अर्जन : गत वर्ष के समान अवधि की ₹ 24.08 करोड़ की तुलना में अप्रैल-जून 2016 में अन्य कोचिंग अर्जन से कुल ₹ 30.97 करोड़ की प्राप्ति हुई है। इस प्रकार अन्य कोचिंग अर्जन में कुल ₹ 6.89 करोड़ की वृद्धि हुई है।

अन्य विविध अर्जन : गत वर्ष के समान अवधि की ₹ 6.50 करोड़ की तुलना में अप्रैल-जून 2016 के दौरान इंजीनियरी के विविध प्राप्तियों सहित अन्य विविध प्राप्तियों से ₹ 8.29 करोड़ का अर्जन हुआ। इस प्रकार अन्य विविध अर्जन में कुल ₹1.79 करोड़ की वृद्धि हुई है।

लामडिंग मंडल में रेल हमसफर सप्ताह का पालन

लामडिंग मंडल में 26 मई से 01 जून 2016 तक रेल हमसफर सप्ताह का पालन किया गया। सप्ताह के सात दिन अलग-अलग कार्यक्रम के लिए समर्पित थे। 26 मई को स्वच्छता दिवस के रूप में, 27 मई को सत्कार दिवस के रूप में, 28 मई को सेवा दिवस के रूप में, 29 मई को सतर्कता दिवस के रूप में, 30 मई को संयोजन दिवस के रूप में तथा 01 जून को संचार दिवस के रूप में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान स्टेशनों, यात्री गाड़ियों, कालोनियों में खान-पान, पेय जल, साफ-सफाई आदि की गुणवत्ता की जॉच की गई। टिकट जॉच के साथ-साथ रेल यात्रियों से विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। रेलवे की उपलब्धियों के बारे में जनता व मिडिया को बतलाया गया। सुरक्षा, संरक्षा तथा समयपालन पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

मंडल में नियुक्ति एवं सेवानिवृत्ति

नियुक्ति :- अप्रैल-जून 2016 के दौरान मंडल में अनुकंपा के आधार पर समूह 'ग' में कुल 3 अभ्यर्थियों तथा समूह 'घ' में 19 अभ्यर्थियों को और खेल-कूद कोटा के अधीन एक अभ्यर्थी को रेल में नियुक्ति प्रदान की गई।

सेवानिवृत्ति :- अवधि के दौरान कुल 87 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए हैं। मंडल इनके सुखमय जीवन की कामना करता है।

लामडिंग दर्पण

वर्ष 7 अंक 26 अप्रैल- जून 2016

कुदरत की गोद में - सपनों का प्रदेश (मेघालय - एक विहंगम दृष्टि)

अपर मंडल रेल प्रबंधक
लामडिंग मंडल

मेघालय भारत के पूर्वोत्तर में स्थित कुदरत की अनोखी छटाओं से परिपूर्ण एक नयनाभिराम राज्य है। खासी, गारो एवं जयंतिया मेघालय के स्थानीय जनजाति हैं। इनका रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि भारत के अन्य राज्यों से भिन्न है। इस प्रदेश में स्थित विश्व का सर्वाधिक वर्षा का स्थल 'चेरापूंजी' है। इस स्थान का वास्तविक नाम सोहरा है। पूर्व ब्रिटिश काल के दौरान चेरापूंजी लौह उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में कोलकाता के साथ घनिष्ठता के लिए प्रसिद्ध था। 1832 में ब्रिटिश द्वारा चेरापूंजी को वृहत असम की राजधानी बनाया गया था जिसे अधिक नमी एवं खराब मौसम के कारण 1866 में शिलांग में स्थानांतरित किया गया था। भौगोलिक दृष्टि से तत्कालीन ढाका एवं सिलहट से होकर जाने वाले मार्ग के कारण चेरापूंजी गुवाहाटी की तुलना में कोलकाता से नजदीक था। विभाजन के पूर्व दिनों में शिलांग के लिए सभी अत्यावश्यक वस्तुओं की आपूर्ति ढाका, सिलहट एवं चेरापूंजी के रास्ते कोलकाता से की जाती थी। आसन्न पहाड़ियों पर 200 वर्षों से पूर्व स्थानीय राजमिस्त्री एवं श्रमिकों द्वारा बनाए गए भवनों में उनके परंपरागत निर्माण कार्य की जानकारी और सिविल इंजीनियरी की सही कारीगरी की झलक दिखलाई पड़ती है। मेघालय भ्रमण के लिए सबसे उपयुक्त समय अक्टूबर से मई महीने का होता है। वर्षा काल के दौरान भी बहुत पर्यटक यहाँ आते हैं। इस समय यहाँ के प्रसिद्ध प्रपातों की रौनक देखने लायक होती है। मेघालय की भाषा खासी व अंग्रेजी है पर यहाँ के लोग हिंदी भी बोलते और समझते हैं। शिलांग के आस-पास अनेकों झील हैं जिनमें बरापानी झील तथा वार्डस झील प्रमुख हैं। पास का मीठा झरना, हाथी झरना, एलिफेंटा फाल्स, जैकरम हॉट स्प्रिंग, नोहकालिकाई फाल्स देखने लायक हैं। फोटोग्राफी के लिए एलिफेंटा फाल्स सबसे बेहतर माना जात है क्योंकि इसके पास जाकर फोटोग्राफी का आनंद लिया जा सकता है। इस प्रदेश की राजधानी 'शिलांग' समुद्र तल से 1200 से 1900 मीटर की ऊँचाई पर बसा हुआ एक मनोरम शहर है। इसकी स्कॉटलैण्ड जैसी बनावट के कारण इसे पूर्वोत्तर का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। यहाँ की ठंडी जलवायु, स्वच्छ वातावरण, मनोरम नजारे, शांत माहौल तथा आस-पास के दर्शनीय स्थल किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करने में सक्षम है। शिलांग को एक नजर में देखना हो तो शिलांग पिक से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। यह स्थान शिलांग के सिटी सेंटर यानी पुलिस बाजार से 10 कि.मी. की दूरी पर समुद्र तल से 1900 मी. ऊँचाई पर है। भारत का तीसरा बड़ा गोल्फ कोर्स भी इसी शहर में है। हरी-भरी घाटियों के बीच रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित पार्क पर्यटकों का मन मोह लेते हैं और अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इन पार्कों में लेडी हैदरी पार्क अपनी प्रकार का एक अनोखा पार्क है। इसमें लगभग हर प्रकार के फूल पाए जाते हैं। इसमें एक छोटा सा चिड़ियाघर तथा अनेक प्रकार के रंग-बिरंगी तितलियों का एक संग्रहालय भी है।

वर्तमान में गुवाहाटी रेल स्टेशन, शिलांग का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन है। शिलांग गुवाहाटी से लगभग 100 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यहाँ सड़क मार्ग से जाया जा सकता है। मनोरम दृश्य व शांत वातावरण का लुफ्त उठाते हुए 3-4 घंटे में मेघालय की राजधानी शिलांग पहुँचा जा सकता है। गुवाहाटी से शिलांग के रास्ते में 83 कि. मी. पर बरापानी झील मिलता है जिसका स्थानीय नाम उमियाम है। लगभग 10 वर्ग कि.मी. में फैली यह झील दक्षिण की खासी पहाड़ियों से आने वाली उमियाम नदी के पानी को रोककर बनी है। यहाँ पर एक पार्क है जिसमें पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहता है। इस झील की सैर का अपना एक अलग ही रोमांच है।

पहाड़ी पर स्थित होने की वजह से मेघालय का मौसम बड़ा ही सुहावना रहता है। छोटी-बड़ी हरी-भरी पहाड़ियाँ, कल-कल करते झरने, स्वच्छ जल को समेटे हुए नीले शांत झील, रमणीय घाटियाँ आदि यहाँ आने वाले पर्यटकों का मन अनायास ही मोह लेते हैं। भाग-दौड़ की जिंदगी से दूर स्वच्छ वातावरण में कुछ समय बिताने से मन को शांति मिलती है। प्राकृतिक छटाओं और सुहाना मौसम का आनंद लेना हो तो मेघालय का दौरा अवश्य करना चाहिए।

संजय नैय्यर

मंडल में नए अधिकारियों का स्वागत

श्री आर. पी. गोस्वामी, सहायक प्रचालन प्रबंधक, गुवाहाटी ने दिनांक 29.06.2016 को लामडिंग मंडल में अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में आपका स्वागत है।

श्री पार्थ प्रतीम दास, सहायक मंडल इंजीनियर/हाफलंग ने दिनांक 11.05.2016 को लामडिंग मंडल में अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में आपका स्वागत है।

श्री गौरव राजपाल, सहायक सिगनल एवं दूर-संचार इंजीनियर/लामडिंग ने दिनांक 23.06.2016 को लामडिंग मंडल में अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में आपका स्वागत है।

श्री सव्यसाची दे, सहायक मंडल यॉत्रिक इंजीनियर/कामाख्या ने दिनांक 23.06.2016 को लामडिंग मंडल में अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में आपका स्वागत है।

श्री शैलेन्द्र कुमार, सहायक मंडल बिजली इंजीनियर/अगरतला ने दिनांक 30.06.2016 को लामडिंग मंडल में अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में आपका स्वागत है।

डॉ. ट्रिकेनजीत मजुमदार, सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी, लामडिंग ने दिनांक 24.05.2016 को लामडिंग मंडल में अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में आपका स्वागत है।

संरक्षक
प्रमोद कुमार जैन
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
संजय नैय्यर
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
संजय कनौजिया
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी